स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी.बी.सी.एस.)
(BAG)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 एवं जनवरी, 2021 के सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एल.ए–137
हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एल.ए. : 137/2020–2021

आपको हिंदी के भाषा आधारित पाठ्यक्रम बी.एच.डी.एल.ए.–137 का केवल एक सत्रीय कार्य करना है। इस सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। यह सत्रीय कार्य खंड 1 तथा 2 पर आधारित है।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वंय उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ हमारा तात्पर्य पाठ्यक्रम सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान आपने जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के **संप्रेषण** कौशलों का विकास करना है। ये कौशल हैं : सुनकर समझना, पढ़ना, बोलना और लिखना। इसके लिए भाषा के आधारभूत तत्वों पर अधिकार प्राप्त करना होता है। भाषा सीखने का उद्देश्य यह भी है कि हम उसके माध्यम से विचारों का आदान–प्रदान कर सकें, विविध विषयों में हिंदी की प्रस्तुति को समझ सकें और अपने शब्दों में उन्हें व्यक्त कर सकें।

सत्रीय कार्य से आप यह जान सकेंगे कि आपको संप्रेषण कौशलों के क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रयोगों के संदर्भ में कितनी दक्षता प्राप्त हुई है। प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1). ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2). अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3). बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसे आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य पाठ्यक्रम के खंड 1 तथा 2 पर आधारित है। इसमें तीन भागों के अंतर्गत प्रश्न पूछे गए हैं, जिनका उद्देश्य विविध विषय क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रयोगों के गहन अध्ययन के संदर्भ में आपकी लेखन क्षमता की जाँच करना है।

2. इस सत्रीय कार्य में कुछ प्रश्न बड़े हैं जिनके उत्तर पठित इकाइयों के आधार पर आपको निर्धारित शब्दों में देने हैं। इस प्रकार इन प्रश्नों से जहाँ एक ओर आपकी भाषा संबंधी समझ विकसित होगी वहीं दूसरी ओर आप हिंदी भाषा के अपने प्रयोग में भी सुधार ला सकेंगे। उत्तर लिखते हुए भाषागत शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

3. सत्रीय कार्य पूरा करके इसे जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास **जुलाई, 2020 में नामांकित विद्यार्थी 30 अप्रैल, 2021 तक एवं जनवरी, 2021 में नामांकित विद्यार्थी 31 अक्टूबर, 2021** तक अवश्य जमा करा दें।

उत्तर देने के लिए निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आप के लिए लाभप्रद रहेगा।

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। व्याकरण संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले आपने उत्तर पर अच्छी तरह से विचार कर लीजिए। अगर आप बिना समझे पुस्तक या अन्य किसी स्रोत की सहायता से उत्तर देंगे तो इससे आपको कोई लाभ नहीं होगा और सत्रांत परीक्षा में आप ऐसे प्रश्नों का सही उत्तर नहीं दे पाएँगे। निबंधात्मक प्रश्न में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो।
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड: बी. एच.डी.एल.ए - 137/BAG
सत्रीय कार्य कोड: बी. एच.डी.एल.ए- 137/2020- 2021
कुल अंक- 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

खण्ड-क

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखिए। **20×2 = 40**

1) संप्रेषण का अथे स्पष्ट करते हुए इसके मूल तत्वों पर प्रकाश डालिए
अथवा
संप्रेषण के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए

2) संप्रेषण के प्रयोजन को विस्तार से बताइए।
अथवा
उच्चरित और लिखित भाषा की विशेषताएं बताईए।

खण्ड - ख

निम्नलिखित प्रश्नों के 300 शब्दों में उतर दीजिए। **10×4= 40**

3). उच्चरित भाषा के प्रकार्य को स्पष्ट कीजिए।

4)लिखित भाषा के महत्व को बताईए।

5) लिखित भाषा पर उच्चरित भाषा का क्या प्रभाव पड़ता है,स्पष्ट कीजिए।

6) बोलचाल की भाषा के लिप्यांकन का महत्व बताइए।

खण्ड- ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए। **5x4=20**

7) अनौपचारिक और औपचारिक पत्र लेखन के भेद को स्पष्ट कीजिए।

8) संचार माध्यमों के महत्व को बताइए।

9) कार्यालयी लेखन में भाषा के महत्व को बताइए।

10) सजेनात्मक लेखन के अथे को स्पष्ट करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।